भूमिका

प्रस्तुत शोध के अंतर्गत मराठी के प्रसिद्ध कवि श्रीधर पवार की काव्य पुस्तक 'अर्धे आकाश माथ्यावर' की अनूदित काव्य पुस्तक आधा आसमां सिर पर का अनुवादपरक मूल्यांकन किया गया है। इस पुस्तक का अनुवाद कई भारतीय भाषाओं में हुआ है। श्रीधर पवार की कविताएं हाल-फ़िलहाल में कई साहित्यिक पत्रिकाओं में हिंदी अनुवाद के रुप में प्रकाशित हुई है। हमने इस शोध का आधार गोपाल नायडू द्वारा आधा आसमाँ सिर पर किए गए अनुवाद को आधार बनाया है जिस अनुवाद का मूल्यांकन हमने इस शोध के दौरान किया है, श्रीधर पवार की इस काव्य पुस्तक अर्धे आकाश माथ्यावर में मुबईया हिंदी के शब्द प्रयोग भी दिखाई देते हैं। प्रस्तुत शोध में हमने गोपाल नायडू के इसी अनुवाद का मूल्यांकन किया है प्रस्तुत शोध का अनुवाद मूल्यांकन करते हुए हमने शब्द,वाक्य और अर्थ के स्तर पर अनुवाद मूल्यांकन किया है जिसे हमने पाठधर्मी और प्रभावधर्मी दोनों स्तरों पर मूल्यांकन करने का प्रयास किया है।

शोध क्षेत्र :-

प्रस्तुत शोध का विषय क्षेत्र कवि श्रीधर पवार की काव्यपुस्तक का गोपाल नायडू द्वारा किया गया अनुवाद है। इस शोध में हमने श्रीधर पवार की गोपाल नायडू द्वारा अनुदित काव्य पुस्तक 'आधा आसमाँ सिर पर'को आधार बनाया है। यही इसकी विषय सीमा है।

शोध समस्या :-

इस शोध की केन्द्रीय समस्या 'मराठी से हिंदी में अनूदित काव्यकृति 'आधा आसमाँ सिर पर' का अनुवाद परक मूल्यांकन' करना है जिसमे मुंबई के कमाठीपुरा में स्थित देह कामगार महिलाओं के संघर्ष पर कविताएँ हैं। जिनके जीवन के संघर्ष को डॉ. श्रीधर पवार ने अपनी कविताओं में रेखांकित किया है। इस कविता में मुंबईयां शब्दों का उपयोग किया गया है। अनुवाद की दृष्टि से मूल्यांकन करना इस शोध का आधार है काव्य कृति 'आधा आसमाँ सिर पर' के मराठी और हिंदी अनुवाद है, जो इस अध्ययन को मात्र अनुवाद की संरचनागत समस्याओं से ही नहीं बल्कि समाज, सांस्कृतिक समस्याओं से भी संबंधित करती है। अत: इस शोध की केंद्रीय समस्या 'मराठी से हिंदी में अनूदित काव्यकृति 'आधा

आसंमा सिर पर' का अनुवादपरक मूल्यांकन है। इस काव्यकृति में मराठी से हिंदी अनुवाद .करते समय अनुवादक को किन-किन कठिनाईओं का सामना करना पड़ा है,यह तलाशने का प्रयास इस शोध का उद्देश्य है। यहाँ अनुवाद का मूल्यांकन अनुवाद सिद्धांतों के आधार पर शब्द, अर्थ और शीर्षक के स्तर पर अध्ययन पर किया गया है।

शोध समस्या से जुड़े प्रश्न :-

- ✓ अनूदित कृति की संप्रेषणीयता की जांच करना इस शोध का पहला प्रश्न है।
- ✓ अनूदित कृति की भाषा कैसी है ?
- ✓ अनूदित कृति मूल युक्त है अथवा नहीं ?
- ✓ अनूदित कृति के बारे में लेखक का क्या कहना है ? क्या वह यह मानता है कि अनुवाद मूल के निकट है ?
- ✓ भाषा के सौन्दर्य और देशजता के प्रश्नों को रेखांकित करना।

शोध के उद्देश्य :-

- ✓ 'आधा आसमाँ सिर पर' का अनुवादपरक मूल्यांकन करना इस शोध का पहला उद्देश्य है।
- ✓ अनुदित कृति की मूल कृति के साथ तुलना करते हुए उसमें अनुवादनियता को तलाशना
- ✓ अनुदित कृति के माध्यम से मराठी से हिंदी अनुवाद में हो रहे प्रयोगों को रेखांकित करना भी इस शोध का उद्देश्य है।

प्राक्कल्पना :-

श्रीधर पवार की कविताएँ समाज के उपेक्षित समुदाय को प्रस्तुत करती हैं। जैसे मराठी दलित कविता ने भाषा के साथ प्रयोग किए हैं और कविताओं में वे शब्द भी दिखाई देते हैं जो अब तक नहीं थे वैसे ही श्रीधर पवार की कविताओं में भी मराठी दलित साहित्य की तरह शब्द प्रयोग दिखाई देते हैं। इस शोध के दौरान हम यह देखने का प्रयास करेंगे कि श्रीधर पवार की

भाषा को अनुवादक ने किस तरह प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत शोध में हम मूल्यांकन करते हुए हमने निम्न बिन्दुओं का ध्यान रखा गया है।

- भाव संप्रेषण में अनुवादक कितना सफल हो पाया है।
- अर्थ संप्रेषण में अनुवादक कितना सफल हो पाया है।
- सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को अनुवादक ने किस तरह से प्रस्तुत किया है।

शोध की सीमाएँ :-

- प्रस्तुत शोध की सीमा कवि श्रीधर पवार की अनूदित कृति 'आधा आसमाँ सिर पर' का अनुवाद मूल्यांकन है।
- प्रस्तुत शोध विषय की भाषागत सीमा मराठी और हिंदी है।

शोध प्रविधि :-

- ✓ इस शोध की प्रमुख प्रविधि मूल्यांकन परक अध्ययन है।
- ✓ शोध सामग्री का चयन करने के पश्चात व्याख्यात्मक,तुलनात्मक और मूल्यांकन आदि शोध प्रविधियों का सहारा लिया गया है।

प्रस्तुत शोध में निम्नलिखित अध्याय हैं :-

प्रथम अध्याय में अनुवाद मूल्यांकन अर्थ, परिभाषा और स्वरूप के अंतर्गत दो उप-अध्याय हैं प्रथम उप-अध्याय के अंतर्गत हमने अनुवाद मूल्यांकन अर्थपरिभाषा और स्वरूप,के माध्यम से अनुवाद मूल्यांकन के अर्थ और स्वरूप को समझने का प्रयास किया है। यह इस शोध का आधार अध्याय है जिसके अंतर्गत दुसरे उप अध्याय के अंतर्गत हमने 'काव्य का अनुवाद मूल्यांकन अर्थ एंव स्वरूप' के माध्यम से हमने काव्य केअनुवाद मुल्यांकन अर्थ और स्वरूप के माध्यम से तीसरे अध्याय की विषय वस्तु को रेखांकित करने का प्रयास किया है। क्योंकि हमारा शोध श्रीधर पंवार की काव्यकृति के हिंदी अनूदित संस्करण पर आधारित है इसलिए यह आवश्यक है कि हम इस अध्याय के अंतर्गत काव्य के अनुवाद मूल्यांकन के अर्थ और स्वरूप को रेखांकित करें।

द्वितीय अध्याय : के अंतर्गत कवि,अनुवादक और काव्यकृति का परिचय दर्शाया गया है जिसका पहला उप-अध्याय है 'कवि श्रीधर पवार और अनुवादक गोपाल नायडू का परिचय' जिसके अंतर्गत हमने श्रीधर पवार कवि और अनुवादक गोपाल नायडू का सामान्य परिचय प्रस्तुत किया है। इसी अध्याय के दूसरे उप-अध्याय के अंतर्गत हमने 'आधा आसमाँ सिर पर' काव्य कृति की विषयवस्तु' को प्रस्तुत करते हुए यह दर्शाने का प्रयास किया है की इस काव्य कृति की विषय वस्तु क्या है और मूल भाव के अंतर्गत कवि ने कमाठीपुरा को किस तरह से प्रस्तुत किया है। बनते बिगड़ते कमाठीपुरा और वहाँ की वेश्याओं के जीवन उनकी बीमारी,प्रेम प्रसंगों आदि को कवि ने किस तरह से दिखाने का प्रयास किया है यह इस अध्याय की विषय वस्तु है।

तृतीय अध्याय : के अंतर्गत हमने 'आधा आसमाँ सिर पर' का अनुवाद परक मूल्यांकन प्रस्तुत किया है जिसके दो उप-अध्याय निम्न हैं|

3.1 शब्द, वाक्य और अर्थ के स्तर पर अनूदित कृति का मूल्यांकन

3.2 शीर्षक के स्तर पर अनूदित कृति का मूल्यांकन

इन उप-अध्यायों में हमने अनूदित काव्य कृति का शब्द,अर्थ,वाक्य अथवा शीर्षक के स्तर पर अनुवाद मूल्यांकन करने का प्रयास किया है। निष्कर्ष के अंतर्गत 'आधा आसमाँ सिर पर' का मूल्यांकन निष्कर्ष प्रस्तुत किया है। एंव उपसंहार के अंतर्गत शोध का उपसंहार प्रस्तुत किया गया है।